सौगात | अर्जुन मुंडा ने सिमडेगा में दो एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों का किया उद्घाटन, कहा-

एकलव्य विद्यालयों से होगा जनजातीय बच्चों का समग्र विकास

स्वदेश संवाददाता

सिमडेगा/रांची : केन्द्रीय जनजातीय कार्य, कृषि और किसान कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा ने मंगलवार को सिमडेगा जिले के बोरजोर और पाकरटांड़ में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) का उद्घाटन किया। इस मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अर्जुन मुंडा ने कहा कि मुझे खुशी है कि जिस विद्यालय का शिलान्यास मैंने किया था, उसका उद्घाटन भी हम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली सरकार की यह कोशिश होती है कि समयबद्ध तरीके से काम पूरा हो। मुंडा ने कहा कि अभी एकलव्य विद्यालयों के लिए 10 हजार शिक्षकों की बहाली हो चुकी है। झारखंड में 21 स्कूल बन चुके हैं। पुरानी सरकारों ने जनजातीय लोगों की शिक्षा पर ध्यान नहीं दिया। घर के पास कोई स्कूल न होने के कारण पढ़ाई के लिए घर से दूर जाना पड़ता था। इसके कारण कई बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाते थे, आज यह स्थिति नहीं है। हमारा लक्ष्य देशभर में ऐसे लगभग 740 स्कूल खोलने का है, जिसमें हर साल 3.5 लाख जनजातीय छात्रों को उनके अपने वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। मुझे उम्मीद है कि विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने में एकलव्य के बच्चे सहभागी होंगे। मुंडा ने कहा कि एकलव्य विद्यालय आत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हैं। प्रत्येक स्कूल में 16 कक्षाएं हैं, जहां पहले 240 छात्र शिक्षा लेते थे और अब 480 छात्र शिक्षा ले रहे हैं। स्कूलों में छात्रावास, मेस, शिक्षकों के लिए आवासीय सुविधा, खेल मैदान, कम्प्यूटर प्रयोगशालाएं, विज्ञान प्रयोगशालाएं हैं। इन स्कूलों में कौशल विकास और करियर काउंसलिंग की सुविधा भी होगी। अब हमारे सभी विद्यालयों को ग्रीन बिल्डिंग कांसेप्ट पर तैयार किया गया है और रख-रखाव के लिए पर्यावरण अनुकूल पद्धतियों पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। मुंडा ने कहा कि जनजातीय बच्चों की खेल प्रतिभा को संवारने के लिए 15 उत्कृष्ट क्रीड़ा केन्द्रों की व्यवस्था एकलव्य विद्यालयों में की जा रही है। यह प्रयास एकलव्य विद्यालय को आदिवासी बच्चों के समग्र विकास और सशक्तिकरण केंद्र के रूप में विकसित करने में मदद करेंगे। झारखंड राज्य में ऐसे 91 एकलव्य विद्यालयों की स्थापना की जाएगी।